स्वदेश की खोज 2010

भारत से युवाओं की खोज

बारम्बार आते सवाल-

1. **क्या यह रोजगार है?** - नहीं। ऐसा नही। यह एक ऐसा अवसर है जिसमें कि आप एक वर्ष वास्तविक भारत और स्वयं को जानेंगे। यह मानदेय वर्ष भर में मात्र आपको मेजबान संस्था में रहने हेतु सहायता पहुँचायेगा।
2. **क्या हमें कुछ मिलेगा?**- हॉ। इसमें एक साधारण सा मानदेय जो कि रू0 4000/- प्रतिमाह होगा, दिया जायेगा, जिससे कि आपके भोजन और अन्य आम जरूरत की पूर्ति हो सकेगी।
3. **क्या सभी यात्रा खर्च मिलेंगे, जिसमें अभिमुखीकरण और वर्ष के अन्त में कार्यक्रम के समापन पश्चात् संस्था में जाने तक का खर्च**- हॉ और नहीं भी। अभिमुखीकरण कार्यशाला में उपस्थित होने और कार्यक्रम समापन पर वापस निवास स्थल पहुँचने का खर्च देय होगा। एक वर्ष की इस अवधि में मानदेय भुगतान मेजबान संस्था द्वारा दिया जायेगा और स्थानीय यात्रा खर्च एवं चिराग में वापसी का खर्च चिराग द्वारा दिया जायेगा।
4. **क्या हम बुनियादी कोर्स करने के बाद तथा मेजबान संस्था में जाने से पहले घर जा सकते हैं?** - नहीं। हालांकि यदि आपका गृहनगर मेजबान संस्था में जाने के रास्ते में पड़ता है, उस स्थिति में आप अपने घर मिलने जा सकते हैं। अन्यथा आपसे अपेक्षा की जाती है कि आप चिराग द्वारा दिये बुनियादी कोर्स के बाद सीधे अपनी मेजबान संस्था से जुड़ें।
5. **क्या हम एक संस्था में 11 माह रहेंगे?** - हॉ ।
6. **हम कहॉ ठहरेंगे?** - मेजबान संस्था आपकी साधारण सी ठहरने की व्यवस्था करेगी। यह भी सम्भव हो सकता है कि आपको किसी के साथ में रहना पड़े।
7. **क्या हम अपना भोजन स्वयं बनायेंगे?** - यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपको कहॉ भेजा जाता है और मेजबान संस्था क्या सुविधाएँ उपलब्ध कराती है। वर्ष 2007 के बैच के अधिकतर प्रतिभागियों को स्वयं भोजन बनाना पड़ा और वर्ष 2008 के बैच के अधिकतर लोगों ने कैन्टीन में ही भोजन किया।
8. **क्या हमें अपने परिवार के साथ मिलने का समय मिल पायेगा?** - यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपकी मेजबान संस्था कहॉ स्थित है और उसकी आपके निवास स्थान से कितनी दूरी है। प्रत्येक संस्था के अपने तय अवकाश होते हैं, और वर्ष में विशेष परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अवकाश दिये जा सकते हैं। कार्यक्रम के तहत इस बात पर जोर दिया गया है कि वर्ष भर प्रतिभागी सीखें और मुद्दों को तलाशें।
9. **कार्यक्रम समापन के पश्चात् क्या होगा?** - जो युवा अलाभकारी क्षेत्रों में कार्य करते रहना चाहते हैं उन्हें अवसर अनुसार सम्बन्धित जानकारी दी जा सकती हैं। यह कार्यक्रम इसकी जिम्मेदारी नहीं लेता कि कार्यक्रम के समापन पश्चात् उन्हें कहॉ नियुक्ति मिलेगी, लेकिन इसमें मदद जरूर कर सकता है।
10. **क्या हमें प्रमाण पत्र मिलेगा?**- हॉ। चिराग और मेजबान संस्था का एक संयुक्त हस्ताक्षरित प्रमाण पत्र दिया जायेगा।

11. **क्या यह कार्यक्रम केवल भारतीय नागरिकों के लिए है?**- मूलतः ऐसा ही है। यह कार्यक्रम विशेषतः भारतीय युवाओं के लिए ही तैयार किया गया है। यद्यपि जो भारतीय मूल के युवा हैं और उन्हें कम से कम एक भारतीय भाषा आती हो ऐसे युवाओं पर विचार किया जा सकता है।
12. **क्या हिन्दी आनी आवश्यक है?** - नहीं। ऐसा नहीं है। हॉलाकि हिन्दी तो आनी चाहिए, यदि आप उत्तर भारतीय राज्यों में रहना चाहते हैं। अथवा जब हम आपकी रूचि अनुसार आपको दक्षिण और पूर्वी राज्यों की मेजबान संस्थाओं में भेजने में समर्थ न हो सकें।
13. **क्या हम मित्र साथ-साथ एक संस्था में रह सकते है?** - नहीं के बराबर।

14. **क्या हम इस अवधि में इस कोर्स को छोड़ भी सकते हैं?** - केवल विशेष परिस्थितियों में, फिर भी आपको एक माह पूर्व की लिखित सूचना मेजबान संस्था और चिराग को देनी होगी। वे लोग जो कोर्स समयावधि से पहले छोड़ देंगे उन्हें प्रमाण पत्र नहीं मिलेगा।
15. **हमें साथ में क्या ले जाने की आवश्यकता होगी?**- अपने निजी वस्त्र और आवश्यक जरूरत की वस्तुएँ जिनकी कि वर्ष भर में मौसमानुसार आवश्यकता हो। मेजबान संस्था को ध्यान में रखते हुए आपको कहॉ रखा जाता है उस आधार पर आपको ऋतु और मौसम की पूर्व जानकारी भी दी जायेगी।
16. **क्या इसमें मध्यावधि पुनरावलोकन की प्रकिया है। यदि इस अवधि में कोई समस्या निकल कर आती हैं तो क्या होगा?** - आपके मेजबान संस्था में पहुँचने के दो माह के भीतर चिराग का कोई व्यक्ति आप तक पहुँचेगा, यदि आपको कोई समस्या आती है तो आप हमारे चिराग साथी से बात करेगें और वे उस समस्या को दूर करेंगे। हॉलाकि आपको चिराग प्रतिनिधियों के सम्पर्क नम्बर भी दिये जायेंगे जिनसे कि आप वर्ष के दौरान आवश्यकतानुसार सम्पर्क करेंगे।
17. **क्या हमें अन्त में रिपोर्ट प्रस्तुत करनी पड़ेगी? क्या हमारा मूल्यांकन भी होगा?** - नहीं। आपका मूल्यांकन नहीं किया जायेगा। यद्यपि हम आपके अनुभवों का दस्तावेजीकरण करने हेतु आपको एक छोटा प्रपत्र देंगे और आपसे अपेक्षा करते हैं कि अन्त में आप इसका एक प्रस्तुतीकरण तैयार करें।
18. **क्या हमें ई.मेल/इन्टरनेट/फोन सुविधा मिलेगी?**- अधिकांश ग्रामीण भारत में आज मोबाईल सुविधा उपलब्ध है। आप जहॉ जायें वहॉ पर एक स्थानीय सिम ले लें, जिससे कि आप आसानी से सम्पर्क बनाये रख सकते हैं। इन्टरनैट और ई0मेल की पहुँच इस बात पर निर्भर करती है कि आप कहॉ पर जाते हैं और कहॉ रहते हैं। इसके बारे में निशिचित तौर पर नहीं कहा जा सकता है।
19. **क्या हमें मेजबान संस्था में अपने हमउम्र लोगों से सम्पर्क और मिलने का अवसर मिलेगा?**- हॉ, इसकी पूरी सम्भावनाएँ हैं कि आपको मेजबान संस्था और उसके क्षेत्र में अपने हमउम्र लोगों के बीच कार्य करने का अवसर मिलेगा।
20. **क्या हमें मेजबान संस्था में आने जाने हेतु हवाई यात्रा, वातानुकूलित यात्रा की सुविधा मिलेगी?** - बिल्कुल नहीं।